

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3606
उत्तर देने की तारीख-11/08/2025

सरकारी स्कूलों का बंद होना

†3606. श्री के. राधाकृष्णन:

श्री अमरा राम:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) पिछले पाँच वर्षों के दौरान देशभर में बंद किए गए सरकारी स्कूलों की संख्या वर्षवार और राज्य/संघ राज्यक्षेत्रवार कितनी है;
- (ख) स्कूलों के ऐसे बंद होने के क्या कारण हैं और नामांकन में कमी, बुनियादी ढाँचे से जुड़ी समस्याएँ या प्रशासनिक कारणों का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या स्कूल बंद करने का निर्णय सर्व शिक्षा अभियान के सभी को शिक्षित करने के उद्देश्य के विपरीत है;
- (घ) क्या सरकार ने विशेष रूप से ग्रामीण, जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षा की सुलभता पर स्कूल बंद होने के प्रभाव का कोई आकलन किया है;
- (ङ) क्या यह सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं कि प्रभावित छात्र बिना किसी व्यवधान के अपनी शिक्षा जारी रख सकें; और
- (च) भविष्य में स्कूल बंद होने से रोकने और वंचित क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा को मजबूत करने के लिए जारी किए गए किसी नीतिगत उपाय या दिशानिर्देशों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री जयन्त चौधरी)

(क): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग (डीओएसईएल) ने सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उपलब्ध कराए गए स्कूल शिक्षा संकेतकों संबंधी डेटा रिकॉर्ड करने के लिए शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली प्लस (यूडाइज़+) प्रणाली विकसित की है। यूडाइज़+ के अनुसार, पिछले 5 वर्षों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सरकारी स्कूलों की संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

(ख) से (च): शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है और स्कूलों को खोलना, विलय करना/बंद करना संबंधित राज्य सरकार और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में है - जो

निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत समुचित सरकार हैं।

वर्ष 2018-19 से, यह विभाग एक एकीकृत केंद्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा को कार्यान्वित कर रहा है - जिसमें सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और शिक्षक शिक्षा (टीई) की तीन पूर्ववर्ती केंद्र प्रायोजित योजनाएं शामिल हैं। इस योजना के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वरिष्ठ माध्यमिक स्तर तक नए स्कूल खोलने/सुदृढ़ करने, स्कूल भवनों और अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

स्कूल शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने में पर्याप्त प्रगति हुई है। इसका प्रमाण वर्ष 2018-19 से 2024-25 तक सकल पहुंच अनुपात (जीएआर) में सुधार से मिलता है, जो इस प्रकार है:

भारत	(जीएआर) प्राथमिक	(जीएआर) उच्च प्राथमिक	(जीएआर) माध्यमिक	(जीएआर) उच्च माध्यमिक
2018-19	97.15	96.49	88.24	65.05
2024-25	97.83	96.57	95.35	94.97

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पैरा 7.4 में इस बात पर बल दिया गया है कि यद्यपि स्कूलों का समेकन एक ऐसा विकल्प है जिस पर अक्सर चर्चा की जाती है, लेकिन इसे बहुत ही विवेकपूर्ण तरीके से लागू किया जाना चाहिए और केवल तभी किया जाना चाहिए जब यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि इसकी पहुंच पर कोई प्रभाव न पड़े। इसी प्रकार, प्राथमिक विद्यालयों तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, आरटीई अधिनियम की धारा 6 में, निर्धारित क्षेत्र या आस-पास की सीमाओं के भीतर समुचित सरकार द्वारा स्कूलों की स्थापना को अनिवार्य बनाया गया है। इसलिए, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर बेहतर अधिगम परिणाम और उचित छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) प्राप्त करने के लिए, कुछ राज्यों ने जनता की आकांक्षाओं के अनुसार बड़े स्कूलों को स्थापित करने के लिए उपयुक्त कार्यनीति अपनाई है।

उन बस्तियों के लिए जो अभी भी स्कूल से वंचित हैं (ज्यादातर छोटे या दुर्गम क्षेत्रों में विरल आबादी वाले) जहां स्कूल खोलना संभव नहीं है, कक्षा 10 तक प्रति बच्चा प्रति वर्ष औसतन 6000 रुपये की दर से परिवहन सुविधा प्रदान की जाती है।

इसके अतिरिक्त, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार को दूरस्थ, कम आबादी वाले और पहुंचने में दुर्गम क्षेत्रों, पहाड़ी इलाकों, वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों, प्राकृतिक बाधाओं वाले

बड़े निर्जन क्षेत्रों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय खोलने और चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। समग्र शिक्षा के पीएम-जनमन घटक के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को असेवित चिह्नित विशेष रूप से दुर्बल जनजातीय समूहों के लिए और समग्र शिक्षा के धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) घटक के तहत असेवित अनुसूचित जनजाति आबादी के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

माननीय संसद सदस्य श्री के. राधाकृष्णन और श्री अमरा राम द्वारा 'सरकारी स्कूलों का बंद होना' के संबंध में दिनांक 11.08.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3606 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

पिछले 5 वर्षों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार सरकारी स्कूलों की संख्या निम्नानुसार है:

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
अंडमान और निकोबार द्वीप	342	342	342	342	340
आंध्र प्रदेश	45115	45145	45137	45167	45000
अरुणाचल प्रदेश	3056	3061	2985	2922	2847
असम	47157	46749	45490	44925	45008
बिहार	72610	75555	75558	75550	78120
चंडीगढ़	121	121	123	119	119
छत्तीसगढ़	48547	48619	48743	48728	48803
दादरा एवं नगर हवेली	300	407	388	387	360
दमन और दीव	109				
दिल्ली	2767	2751	2762	2673	2693
गोवा	827	821	814	806	789
गुजरात	35040	34967	34699	34651	34597
हरियाणा	14484	14563	14562	14443	14374
हिमाचल प्रदेश	15398	15391	15380	15447	15217
जम्मू एवं कश्मीर	23165	23167	23173	18785	18785
झारखंड	35931	35888	35840	35764	35795
कर्नाटक	49834	49791	49679	49520	49306
केरल	5014	5020	5010	4811	4809
लद्दाख	913	915	838	841	841
लक्षद्वीप	45	45	38	37	37
मध्य प्रदेश	99411	99152	92695	92741	92439
महाराष्ट्र	65886	65734	65639	65431	65157
मणिपुर	2876	2878	2889	2922	2934
मेघालय	7799	7795	7783	7778	7779
मिजोरम	2552	2558	2563	2567	2587
नागालैंड	2011	1975	1960	1954	1952
ओडिशा	53260	50256	49072	48767	48671
पूदुचेरी	422	422	422	422	420
पंजाब	19377	19330	19259	19245	19242
राजस्थान	67660	68813	68948	69538	70233
सिक्किम	851	851	864	864	864
तमिलनाडु	37579	37589	37636	37658	37672
तेलंगाना	30001	30015	30023	29997	30022
त्रिपुरा	4275	4265	4262	4245	4238
उत्तर प्रदेश	137638	137068	137024	137003	137102
उत्तराखंड	16741	16651	16484	16381	16201
पश्चिम बंगाल	83456	83379	83302	82579	82307

स्रोत: यूडाइज़, यूडाइज़+